अध्याय 2: बगीचे का घोंघा

विषय-सूची — 9 प्रश्नावली · 26 प्रश्न

प्रश्नावली 2.1	बातचीत के लिए	5 प्रश्न
प्रश्नावली 2.2	पाठ के भीतर	5 प्रश्न
प्रश्नावली 2.3	सोचिए और लिखिए	5 प्रश्न
प्रश्नावली 2.4	भाषा की बात	3 प्रश्न
प्रश्नावली 2.5	मिलान कीजिए	1 प्रश्न
प्रश्नावली 2.6	विभिन्न ध्वनियाँ	1 प्रश्न
प्रश्नावली 2.7	अपनी-अपनी विशेषताएँ	1 प्रश्न
प्रश्नावली 2.8	अनुमान और कल्पना	4 प्रश्न
प्रश्नावली 2.9	घोंघे से आपकी भेंट	1 प्रश्न

प्रश्नावली 2.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

घोंघे को बगीचे के एक किनारे से दूसरे किनारे तक पहुँचने में दो दिन क्यों लगते थे?

उत्तर: घोंघा बहुत धीरे-धीरे चलता है, इसलिए उसे बगीचे के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुँचने में पूरे दो दिन लगते थे।

प्रश्न 2

आप अपने विद्यालय कैसे जाते हैं और आपको कितना समय लगता है?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं अपने विद्यालय पैदल जाता/जाती हूँ और मुझे लगभग दस मिनट लगते हैं। कुछ बच्चे स्कूल बस या साइकिल से भी जाते हैं।

प्रश्न 3

घोंघा उद्यान से बाहर क्यों जाना चाहता था?

उत्तर: घोंघा जानना चाहता था कि बाहर की दुनिया कैसी है। उसे बगीचे की दीवार में छेद देखकर जिज्ञासा होती थी कि उस पार क्या होगा।

प्रश्न 4

आपका कहाँ-कहाँ जाने का मन करता है?

उत्तर: नमूना उत्तर: मेरा पहाड़ों पर, समुद्र के किनारे और किसी बड़े जंगल में जाने का मन करता है। नई-नई जगहें देखना मुझे अच्छा लगता है।

प्रश्न 5

आप घूमने के लिए कहाँ-कहाँ जाते हैं और किसके साथ जाते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं अपने माता-पिता और परिवार के साथ नाना-नानी के घर, मंदिर और कभी-कभी पार्क में घूमने जाता/जाती हूँ।

प्रश्नावली 2.2 — पाठ के भीतर

प्रश्न 1

घोंघा उद्यान से बाहर क्यों जाना चाहता था? (सही उत्तर चुनिए)

उत्तर: (ख) वह बाहर का जीवन देखना चाहता था।

प्रश्न 2

घोंघे को बड़ा-सा पत्थर पहाड़ जैसा क्यों लगा होगा?

उत्तर: (ख) घोंघे ने उद्यान में पत्थर जैसी बड़ी वस्तु कभी नहीं देखी थी।

प्रश्न 3

घोंघे ने अपने जीवन में पहली बार क्या देखा?

उत्तर: (क) अपने लंबे-पतले पाँवों से आ-जा रहे लाल चींटे।

प्रश्न 4

घोंघे की आँखें आश्चर्य से क्यों खुली रह गईं?

उत्तर: (घ) उसने बड़ के एक पेड़ को देखा जो इतना विशाल था कि वह एक छोर से दूसरे छोर तक नहीं देख पाता था।

प्रश्न 5

छेद से बाहर निकलते ही घोंघे का जिन वस्तुओं से सामना हुआ, उनमें से कुछ वस्तुएँ छूट गई हैं। उन्हें पूरा कीजिए।

उत्तर: मैदान, सूखा पत्ता, पत्थर, लाल चींटे, गिलहरी, गेंद, कुत्ता, बड़ का पेड़, ताड़ का पेड़।

प्रश्नावली 2.3 — सोचिए और लिखिए

प्रश्न 1

उद्यान की दीवार में छेद देखकर घोंघे को कौन-सी बात याद आती थी?

उत्तर: उद्यान की दीवार में छेद देखकर घोंघे को अपनी माँ की बात याद आती थी। माँ ने उसे समझाया था, 'वहाँ कभी मत जाना, वह दुनिया हमारी दुनिया से बहुत अलग है।'

प्रश्न 2

छेद के दूसरी ओर जाते ही घोंघा चकित क्यों रह गया?

उत्तर: छेद के बाहर निकलते ही घोंघे ने बहुत बड़ा, लंबा-चौड़ा मैदान देखा जो उसने पहले कभी नहीं देखा था। इतनी बड़ी दुनिया देखकर वह चकित हो गया।

प्रश्न 3

घोंघे ने ऐसा क्यों कहा होगा कि उद्यान में सब कुछ धीरे-धीरे चलता है?

उत्तर: बगीचे में सभी जीव और चीजें शांत और धीमी गति से होती थीं। बाहर गेंद लुढ़क रही थी, कुत्ता तेज भाग रहा था, गिलहरी फुर्ती से पेड़ पर चढ़ी — यह सब बगीचे से एकदम अलग था।

प्रश्न 4

घोंघे की तरह आपको अपने घर, विद्यालय तथा आस-पास क्या-क्या अद्भुत लगता है और क्यों?

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे बारिश के बाद इंद्रधनुष अद्भुत लगता है क्योंकि इतने सुंदर रंग एक साथ आसमान में दिखते हैं। मेरे विद्यालय के बगीचे में चिड़ियों का चहचहाना भी मुझे बहुत अच्छा लगता है।

प्रश्न 5

घोंघे ने उद्यान के भीतर और बाहर क्या-क्या देखा? नीचे लिखिए।

उत्तर: उद्यान के भीतर: पौधे, घास, छोटे पेड़, बगीचे के कोने-कोने। उद्यान के बाहर: बड़ा मैदान, सूखा पत्ता, पत्थर, लाल चींटे, गिलहरी, गेंद, कुत्ता, ताड़ का पेड़, बड़ का पेड़।

प्रश्नावली 2.4 — भाषा की बात

प्रश्न 1

कहानी में आए निम्न शब्दों के आधार पर वाक्य बनाकर लिखिए — आश्चर्य, अद्भुत, अचानक, छोर।

उत्तर: आश्चर्य — जादूगर का खेल देखकर सबको आश्चर्य हुआ। अद्भुत — हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियाँ अद्भुत लगती हैं। अचानक — अचानक बिजली चमकी और सब डर गए। छोर — नदी का दूसरा छोर बहुत दूर था।

प्रश्न 2

जब घोंघे के ऊपर सूखा पत्ता गिरा, तब उसने 'वाह!' न कहकर 'उई!' कहा। आपके मुँह से कब 'वाह' और 'उई' जैसे शब्द निकलते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: जब मैं कोई सुंदर दृश्य देखता/देखती हूँ तो 'वाह!' निकलता है, जैसे — वाह! कितना सुंदर फूल है। जब अचानक चोट लगती है या कुछ भारी गिर जाता है तो 'उई!' निकलता है।

प्रश्न 3

घोंघे ने अपने शंख में कौन-कौन सा सामान बाँधा होगा?

उत्तर: नमूना उत्तर: घोंघे ने अपने शंख में मिट्टी, पत्ता, छोटा-सा पत्थर और कुछ भोजन के लिए पत्तियाँ बाँधी होंगी।

प्रश्नावली 2.5 — मिलान कीजिए

प्रश्न 1

नीचे दी गई बातें घोंघे ने कब-कब कहीं? मिलान कीजिए।

उत्तर: 'वाह! दुनिया में सब कुछ कितनी तेजी से चलता है।' — जब उसने लुढ़कती गेंद के पीछे कुत्ते को भागते हुए देखा। 'वाह! दुनिया सचमुच कितनी बड़ी है।' — जब उसने बच्चों के खेलने का स्थान देखा। 'वाह! दुनिया तो कितनी मजेदार है।' — जब उस पर सूखा पत्ता गिरा। 'वाह! सचमुच दुनिया कितनी अद्भुत है।' — जब उसने बड़ का पेड़ देखा।

प्रश्नावली 2.6 — विभिन्न ध्वनियाँ

प्रश्न 1

पाठ में सूखे पत्तों के गिरने की ध्वनि 'खड़-खड़' जैसी है। इनकी ध्वनियाँ कैसी होंगी — बादलों का गरजना, पानी का बरसना, नल से बूँदों का गिरना, मेंढक का बोलना, घंटी का बजना, हवा का बहना।

उत्तर: बादलों का गरजना — गड़-गड़। पानी का बरसना — छप-छप। नल से बूँदों का गिरना — टप-टप। मेंढक का बोलना — टर्र-टर्र। घंटी का बजना — टन-टन। हवा का बहना — सन-सन।

प्रश्नावली 2.7 — अपनी-अपनी विशेषताएँ

प्रश्न 1

घोंघे ने उद्यान से बाहर आकर जो भी देखा, वह किसी-न-किसी रूप में विशेष था। पाठ के आधार पर उनकी विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: मैदान — बहुत बड़ा, लंबा-चौड़ा। पत्थर — पहाड़ जैसा बड़ा और ऊँचा। लाल चींटे — लंबे-पतले पाँवों से तेज चलने वाले। ताड़ का पेड़ — आसमान तक जाने वाला। बड़ का पेड़ — इतना विशाल कि एक छोर से दूसरा छोर न दिखे।

प्रश्नावली 2.8 — अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1

अनुमान लगाकर बताइए कि घोंघा उद्यान में कब से रह रहा होगा।

उत्तर: नमूना उत्तर: घोंघा बहुत सालों से उस उद्यान में रह रहा होगा, शायद जन्म से ही। उसने उद्यान का कोना-कोना जान लिया था, इससे लगता है कि वह वहाँ काफी लंबे समय से था।

प्रश्न 2

घोंघे को उद्यान के एक छोर से दूसरे छोर तक जाने में दो दिन लगते थे और उसे वापस लौटने में 48 घंटे लगते थे। ऐसा क्यों?

उत्तर: दो दिन और 48 घंटे एक ही समय होता है। कहानी में यह बताने के लिए दोनों अलग-अलग तरह से कहा गया है कि जाने और आने में समान समय लगता है क्योंकि घोंघा हर दिशा में एक जैसी धीमी चाल से चलता है।

प्रश्न 3

आप अपने विद्यालय में कितने वर्षों से पढ़ रहे हैं? आपने वहाँ अब तक क्या-क्या देखा है?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं अपने विद्यालय में तीन वर्षों से पढ़ रहा/रही हूँ। मैंने वहाँ बड़ा मैदान, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, बगीचा और अनेक मेले व खेल-कूद देखे हैं।

प्रश्न 4

आपको अपनी कक्षा से पेड़-लता के स्थान और विद्यालय के मुख्य द्वार तक जाने में कितना समय लगता है?

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे कक्षा से विद्यालय के मुख्य द्वार तक जाने में लगभग दो से तीन मिनट लगते हैं।

प्रश्नावली 2.9 — घोंघे से आपकी भेंट

प्रश्न 1

कल्पना कीजिए कि बच्चों ने घोंघे को देखा और उससे बातें कीं। इस संवाद को पूरा कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: बच्चे — अरे! आप इतने धीरे-धीरे क्यों चलते हो? घोंघा — यही हमारी चाल है, पर हम सारी दुनिया ध्यान से देखते हैं। बच्चे — क्या आप बगीचे से पहली बार बाहर आए हैं? घोंघा — हाँ! आज पहली बार आया हूँ। यह दुनिया सचमुच बहुत बड़ी और अद्भुत है! बच्चे — क्या आप यहीं रहोगे अब? घोंघा — हाँ, मैंने तय कर लिया है कि अब इस बड़ी दुनिया में ही रहूँगा।